University in News on 01 March 2020

Amar Ujala-My City

एआईसीटीई की मान्यता को तैयार इंजीनियरिंग संकाय

लखनऊ विश्वविद्यालय ने निरीक्षण कराने के लिए भेजा आवेदन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। इंजीनियरिंग संकाय अब ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) की मान्यता भी हासिल करेगा। विवि ने इसके लिए आवेदन भेज दिया है। एआईसीटीई की मान्यता होने पर लविवि से प्राप्त इंजीनियरिंग की डिग्री की महत्ता देश-विदेश में बढ़ जाएगी।

लविवि में शैक्षिक सत्र 2017-18 से इंजीनियरिंग संकाय की स्थापना हुई है। यहां पर कंप्यूटर साइंस, केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती है। विवि होने की वजह से लविवि अपने यहां किसी भी पाठ्यक्रम की पढ़ाई करा सकता है। पाठ्यक्रम चलाने के लिए निर्धारित मानक और शर्तें पूरी करने के बाद विवि इसकी पढ़ाई शुरू कर सकता है। इसी के तहत विवि ने अपने यहां कक्षाएं शुरू कर ली थीं। जबकि कॉलेज बगैर एआईसीटीई निरीक्षण के अपने यहां कक्षाओं का संचालन भी शुरू नहीं कर सकते। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय में प्रथम सत्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को शैक्षिक सत्र 2020-21 में डिग्री मिल जाएगी। इसलिए लविवि की मंशा है कि पहले बैच के विद्यार्थियों को भी एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त डिग्री मिले। अगले सत्र की शुरुआत से पहले निरीक्षण के बाद मान्यता मिलने की उम्मीद है।

नए भवन का काम शुरू

एलयू नवीन परिसर में इंजीनियरिंग भवन बनाने का काम शुरू हो गया है। इस समय इंजीनियरिंग संकाय की कक्षाएं नवीन परिसर में स्थित विज्ञान संकाय के भवन में चल रही हैं। 20 करोड़ रुपये से बनने वाले इस भवन में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कक्षाएं चलेंगी। सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मशीनों के बड़े आकार को देखते हुए इनका संचालन पुराने भवन में ही किया जाएगा।

छात्रों को होगा फायदा

एआईसीटीई की मान्यता होने पर लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों को फायदा होगा। इसे को ध्यान में रखते हुए एआईसीटीई की मान्यता के लिए आवेदन किया गया है। - डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

Hindustan Lucknow Live

तीन हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं के लिए नौकरी पाने का मौका

लविवि में मेगा जॉब फेयर 5 मार्च से

अवसर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने तीन हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं को नौकरी का अवसर देने जा रहा है। विश्वविद्यालय की ओर आगामी 5 से 7 मार्च पर मैगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा।

इसमें कई कंपनियों ने आने की सहमति दे दी है। इस मेगा जॉब फेयर में विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों के छात्रों को भी मौका मिल रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि नौकरी के कई अवसर रहेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय की काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की पहल पर इसका आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन पांच मार्च को यह जॉब फेयर लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में होगा। दूसरे दिन छह मार्च को नवीन परिसर और सात मार्च को कालीचरण पीजी कॉलेज में इसका आयोजन किया जाएगा। जॉब फेयर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक चलेगा। विवि प्रशासन का दावा है कि अभी तक 18 से ज्यादा कम्पनियों ने इसमें शामिल होने के लिए सहमति जता दी है। प्रयास किए जा रहे हैं कि यह संख्या 25 का आंकड़ा पार कर जाए।

> इस बार विश्वविद्यालय के साथ ही कॉलेजों को भी प्लेसमेंट से जोड़ा गया है। 5 मार्च से होना वाला जॉब फेयर विवि का अब तक का सबसे बड़ा जॉब फेयर साबित होता। इसमें 25 से अधिक कंपनियों की सहभागिता सम्भावित है। कई कंपनियों की सहमति मिल चुकी है। - प्रो. मधुरिमा लाल, निदेशक, सीपीसी, लविवि

25 कंपनियों के जॉब फेयर में आने की है संभावना

छात्र-छात्राएं ऐसे करा सकते हैं पंजीकरण

इस मेगा जॉब फेयर में कॉलेजों के भी विद्यार्थी आमंत्रित किए गए हैं। छात्रों का पंजीकरण प्लेसमेंट टीम के द्वारा आयोजन स्थल पर ही कराया जाएगा। इसके लिए उनसे कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा।

NBT

हाईटेक लैब में इंजिनियरिंग स्टूडेंट्स सीखेंगे नेटवर्किंग और असेंबलिंग

एलयू के न्यू कैंपस में ₹2 करोड़ की लागत से बनेगी हाईटेक लैब, अत्याधुनिक उपकरण लगेंगे

■ **शिवम अग्निहोत्री, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में इंजिनियरिंग के स्टूडेंट्स के लिए लैब खोलने की तैयारी है, जो हाईटेक उपकरण और कंप्यूटर से लैस होगी। लैब का निर्माण पांच विभागों में किया जाएगा, जिसका लाभ फोर्थ ईयर के स्टूडेंट्स ही उठा सकेंगे। लैब का निर्माण एआईसीटीई के मानकों के अनुसार किया जाएगा।

रुसा से मिला बजट

फैकेल्टी के प्रो. आरएस गुप्ता ने बताया कि एआईसीटीई के मानकों के अनुसार ₹2 करोड़ की लागत से लैब का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) से इस साल हर विभाग को लगभग ₹40-40 लाख मिलेंगे, जिसमें हर विभाग में छह लैब खुलेंगी। प्रत्येक लैब को तैयार करने का खर्च करीब ₹8 लाख आएगा। इन छह लैब में फोर्थ इयर के 7वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए 4 लैब और 8वें सेमेस्टर के छात्रों लिए 2 लैब बनेंगी। इससे स्टूडेंट्स को नेटवर्किंग, असेंबलिंग और आधुनिक सॉफ्टवेयर पर काम करने और सिद्धांतों को समझने का मौका मिलेगा।

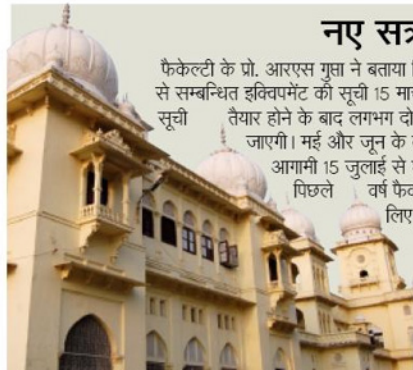

नए सत्र के साथ शुरुआत

फैकेल्टी के प्रो. आरएस गुप्ता ने बताया कि इंजिनियरिंग के सभी विभागों को पढ़ाए जाने वाले लैब से सम्बन्धित इक्विपमेंट की सूची 15 मार्च तक तैयार कर ली जाएगी। कोर्स और इक्विपमेंट की सूची तैयार होने के बाद लगभग दो करोड़ रुपये का टेंडर निकालकर आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मई और जून के बीच लैब को तैयार करने का काम होगा। उम्मीद है कि आगामी 15 जुलाई से शुरू होने वाले नए सत्र तक लैब शुरू हो जाएगी। बता दें कि पिछले वर्ष फैकल्टी में द्वितीय वर्ष के तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक करोड़ 62 लाख रुपये खर्च कर लैब तैयार की गई थी।

इन विभागों में खुलेगी

कंप्यूटर साइंस ऐंड इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक और कम्यूनिकेशन इंजिनियरिंग, मकैनिकल इंजिनियरिंग और सिविल इंजिनियरिंग

₹62 लाख की लागत से खुलेगा कम्प्यूटर सेंटर

प्रो. गुप्ता ने बताया कि एलयू के न्यू कैंपस में इंजिनियरिंग की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स के लिए एक हाइटेक कम्प्यूटर सेंटर भी बनेगा। ₹62 लाख की लागत से बनने वाले इस सेंटर में स्मार्ट 100 कम्प्यूटर लगाए जाएंगे। इसमें हाई स्पीड फाइबर ऑप्टिक इंटरनेट की सेवा भी मिलेगी। इसके अलावा लिनक्स और विंडोज बेस्ड कम्प्यूटर की प्रयोगशालाएं होंगी। साथ ही स्टूडेंट् की पढ़ाई में काम आने वाले अत्याधुनिक उपकरण भी होंगे।